(6)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

G

Sr. No. of Question Paper : 5427

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A (H.) Sanskrit (DSE) (LOCF)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

P.T.O.

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at Student

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

downloaded from StudentSuvidha.com

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (12×3=36)

Answer **any three** of the following questions :

(i) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित अष्टांग-योग का वर्णन कीजिए।

Describe the Aṣṭāṅgayoga as mentioned in the Yoga philosophy of Patanjali.

Download all NOTES and PAPERS at Student

(ii) 'श्रोतव्य श्रुतिवाक्येभ्यो मन्तव्यश्चोपपत्तिभिः।' के आधार पर ब्रह्मसाक्षात्कार के साधन श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (sravana), Reflection (manana) and meditation (nididhyasana) as methods of Self-presentation on this basis the statement 'Srotavya srutivakyebhyo mantavyascopapattibhih".

(iii) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of "Karma-Yoga" for a balanced living on the basis of Gita.

(iv) योगदर्शन में प्रतिपादित योग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at Student

Explaining the nature of yoga as describe in Yoga philosophy, elucidate the methods Cittavṛttinirodha.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्ति-योग' महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of 'Bhakti-Yoga' fo balanced living on the basis of Gita.

downloaded from StudentSuvidha.com

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=2

Explain the following :

(क) अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम् ।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ।।

Download all NOTES and PAPERS at Student

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ।।

(ख) संकल्पप्रभवान्कामांस्त्यक्त्वा सर्वानशेषतः ।

मनसैवेन्द्रियग्रामं विनियम्य समन्ततः ।।

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत् ।।

(ग) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।

मामेबैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायणः ।।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at Student

अथवा / OR 54

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ।।

(घ) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ।।

अथवा / OR

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ।।

(ङ) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ।।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at Student

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की व्याख्या कीजिए :- (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(क) तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः ।

(ख) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(ग) तत्र स्थितौ यत्नोऽभ्यासः ।

4. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए:- (7)

Write short note in **Sanskrit** of any **one** of the following :

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at Student

(क) नियमाः

(ख) समाधि

(ग) आसन

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at Student